Objective

शिक्षक - रवि शंकर राय विषय - अर्थशास्त्र

दिनांक - 30-07-2020 वर्ग - M.A-II

रोजगार का सिद्धान्त

Objective

बेरोजगारी की दर तथा स्फीति की दर के बीच अल्पकाल में अनुमानिक संबंध को औपचारिक रूप प्रदत्त किया — पाल सेम्युलसन ने।

कीन्स का रोजगार सिध्दान्त जुड़ा है → अनैच्छिक बेरोजगारी से।

126. उपभोक्ता अपनी आय में हुई वृध्दि का 20% बचाता है तो गुणक का मान होगा → 5।

127. उपभोग तथा व्यय योग्य आय के मध्य अनुपातिक संबंध होता है → MPC = APC।

128. रैटचैट प्रभाव का अर्थ है → आय में वृध्दि के साथ सीमान्त उपभोग प्रवृति बढ़ती है।

129. उच्च शक्ति मुद्रा का परिमाण नही प्रभावित होता है → सरकार की बजट संबंधी नीति से। (राजकोषीय नीति)

130. आय स्फीति से अभिप्राय है → अर्थव्यवस्था में मौद्रिक आय में वृध्दि से।

131. मौद्रिक विभ्रम —
1. तभी महत्वपूर्ण है जब स्फीति धीमी होती है किन्तु भागती स्फीति में यह समाप्त हो जाती है।
2. स्फीति की गति को बढ़ा देता है।

132. मुद्रा एक परिसम्पति है जिसकी मांग दूसरी परिसम्पति के मांग के साथ ही निर्धारित होती है। यह विचार दिया → फ्रीडमैन ने।

133. "मौद्रिक नीति का कार्यान्वयन निर्धारित नियम के अनुसार होना चाहिए न की विवेक के अनुसार" यह विचार दिया → एम फ्रीडमैन ने।

134. रिजर्व मुद्रा में सम्मिलित होता है → जनता की चलन मुद्रा तथा बैंकों के पास नगदी।

135. उपभोग पर रैटचैट प्रभाव का प्रतिपादन किया ⇒ जे. एस ड्यूसेनबरी

136. उपभोग फलन दीर्घ एवं अल्पकाल दोनो में होते हैं → रैखिक

137. कैन्स का सिध्दान्त का प्रभावी मांग वहा होगी जहाँ — जहां सकल मांग कीमत तथा सकल पूर्ति कीमत परस्पर बराबर है।

138. क्लासिकल सिध्दान्त के अनुसार ब्याज दर का निर्धारण होता है → बचत की मांग और पूर्ति से।

139. निम्नलिखित में लागत प्रेरित स्फीति का कारण कौन सा है → मजदूरी में वृध्दि।

140. साख सृजन की प्रक्रिया का परिणाम होता है → मुद्रा की पूर्ति में वृध्दि।

141. "A Treatise of Money" पुस्तक किसने लिखी ⇒ जे. एम. कैन्स।

142. मुद्रा के कार्यों को स्थैतिक और प्रावैगिक श्रेणियों में किसने बांटा → कीन्स।

143. नगद शेष समीकरण से कौन संबंधित है → मार्शल, पीगू, राबर्टसन।

विनिमय का समीकरण किसके समीकरण को कहा जाता है → फिशर।
- बेरोजगारी का प्राकृतिक दर वह दर है जो – पूर्ण रोजगार पर प्रचलित होती है
4. केन्स के अनुसार ब्याज दर निर्धारित होती है → मुद्रा बाजार में।
147. नव-प्रतिष्ठावादी अर्थ-शास्त्रीयों के अनुसार मुद्रा – उत्पादन तटस्थ है।
148. कीन्स के आर्थिक विश्लेषण है → अल्पकालिन एवं स्थिर।
149. MPC का मूल्य होता है ⇒ $0 < MPC < 1$
150. सरकारी बजट संतुलित होने की अवस्था मे सरकारी खर्च में 100 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी करने पर राष्ट्रीय आय में कितनी बढ़ोतरी होगी – 100 करोड़।
151. जब नियोजित बचत = $-40 + 0.20Y$ और नियोजित निवेश = 60 रु तो आय का संतुलन स्तर होगा → 500 रु०।
152. जब LM समीकरण $Y = 750 + 20i$ है तो मुद्रा की मांग और मुद्रा की पूर्ति में संतुलन तब होगा जब – $i = 10$, $Y = 950$ रु
153. निम्नलिखित में किन स्थितियो ने किन स्थितियों में मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि संतुलन आय पर कोई प्रभाव नही डालता है → LM लम्ब-वत हो और IS का ढाल तीव्र है।
154. जनता की बैंकिंग आदतों मे वृद्धि होने पर जमा गुणक का आकार — बढ़ता है।
155. ब्याज दर मे परिवर्तन निम्नलिखित उद्देश्यो के लिय रखी जानेवाली मुद्रा की मांग को बहुत प्रभावित नही करता है → लेन-देन तथा सावधानी उद्देश्य दोनो।
156. ओकन का नियम संबंध बतलाता है → बेरोजगारी का स्तर और वृद्धि के स्तर में।
157. "मांग पूर्ति का निर्माण करती है" एक धारणा को प्रस्तुत किया → J.M. कीन्स ने।
158. $P = \frac{KR}{M}$ समीकरण संबंधित है → पीगू।
159. यदि ब्याज की दर शून्य से अधिक है तो इसका अर्थ होता है → वर्तमान उपभोग का मूल्य भावी उपभोग से अधिक होता है।
160. किसी एसी अर्थव्यवस्था में जहां लोग हमेशा किसी अतिरिक्त आय के आधे का उपभोग करते है, दूसरे आधे की बचत करते हैं, वहां 20000 रु का कोई अतिरिक्त सरकारी व्यय सृजित कर सकता है। → 40000 रु० की अतिरिक्त आय।
161. यदि रैखिक उपभोग फलन का अधोमुखी सामानान्तर स्थानांतरण हो तो निवेश गुणक — स्थिर रहेगा।
162. यदि उपभोग फलन मूल बिन्दु से गुजरेगा APC = MPC के लिए यह आवश्यक है → बिना की अन्तर्रोध के रैखिक होगा।

केन्स ने मुद्रा पूर्ति में परिवर्तन का प्रभाव जिस सही क्रम में दिखाया था — मुद्रा पूर्ति – ब्याज की दर – निवेश मांग – समस्त मांग।

164. मान ले कि किसी अर्थव्यवस्था में मुद्रा स्फीति स्थिर है और मुद्रा की मांग आय और ब्याज दर का फलन है, तब अगर आय का स्तर बढ़ता है तो → मुद्रा के मांग के परिमाण में वृद्धि और ब्याज के दर में वृद्धि होगी।

165. मुद्रा की मांग का पोर्टफोलियो सिद्धान्त यह मान कर चलता है कि व्यक्ति → जोखिम से प्यार करता है।

166. यदि ब्याज दर बढ़ेगी तो बांडधारी लोग → बांडो पर पूंजीगत हानी उठायेंगे।

167. यदि मुद्रा की मांग पूर्ण ब्याज लोचदार हो तो प्रसारण मौद्रिक नीति की कारगरता होती है — अधिकतम।

168. मुद्रा स्फिती पर नियंत्रण के लिए केन्द्रीय बैंक को चाहिए की → खुले बजार में सरकारी प्रतिभूतियां बेचे।

169. निम्नलिखित में से कौन एक सही और संभावित अनुक्रम है →
M मुद्रा पूर्ति, i ब्याज की मौद्रिक दर, I–निवेश।
M नीचा, i उचा I नीचा, GNP नीचा है।

170. यदि आय के सब स्तरो पर MPC = APC तो इसके समकक्ष उपभोग फलन होगा → C = bY

171. निवेश का त्वरक सिद्धान्त निवेश की वर्तमान दर को → उत्पादन के वर्तमान स्तर से सम्बन्ध करता है।

172. यदि MPS बढ़ती है तो उत्पादन का संतुलन स्तर → कम होगा

173. मुद्रा बाजार की प्रस्तावना (Introduction) के साथ संकलित आय-व्यय गुणक होगा → इकाई।

174. क्लासिकल सिद्धान्त के अनुसार मुद्रा पूर्ति में 10% की वृद्धि से → मौद्रिक मजदूरी दरे तथा वास्तविक मजदूरी दरे दोनो ही 10% बढ़ेगी।

175. समी. 0.5Y+50i – 240 = 0 — LM फलन का समीकरण है।

176. केन्स के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा एक अनैच्छिक बेरोजगारी का मूलभूत कारण → वस्तुओ और सेवाओं की मांग में सामान्य कमी।

177. मुद्रा की आपेक्षी मांग बढ़ेगी यदि → ~~मुद्रा की~~ प्रतिभूतियो की कीमतो में वृद्धि प्रत्याशित हो।

178. ~~[illegible]~~ फिशर के V और कैम्ब्रीज समीकरण K के बीच समीकरण सम्बन्ध है → V = 1/K